www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

बुधवार
10 अप्रैल 2024,

वर्ष 89, अंक 86, 18 पेज+4 पेज लाइव, मूल्य ₹ 4.00, एचटी एज के साथ ₹ 5.00 एवं हिन्दुस्तान टाइम्स के साथ ₹ 9.50 • पांच प्रदेश • 21 संस्करण

द्वितीयं ब्रह्मचारिणी

दधाना
करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि
ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

तैयारी | नॉलेज पार्क-5 तक प्रस्तावित 10 किलोमीटर का कॉरिडोर अलग से बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी

चार मूर्ति चौक पर ग्रेनो मेट्रो और नमो भारत ट्रेन मिलेंगी

ग्रेटर नोएडा, कार्यालय संवाददाता। यात्रियों की सुविधा के लिए ग्रेनो वेस्ट के चार मूर्ति गोल चक्कर पर गाजियाबाद से जेवर एयरपोर्ट तक चलने वाली नमो भारत और एक्वा लाइन पर चलने वाली ग्रेनो मेट्रो को जोड़ा जाएगा। यहां पर इंटीग्रेटेड स्टेशन का निर्माण होगा।

इससे एक्वा लाइन के लिए चार मूर्ति गोल चक्कर से नॉलेज पार्क-5 तक प्रस्तावित 10 किलोमीटर का कॉरिडोर अलग से बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे परियोजना के कुल खर्च में करीब दो हजार करोड़ रुपये की बचत होगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने जेवर एयरपोर्ट से गाजियाबाद तक नमो भारत और मेट्रो के 72.2 किलोमीटर के एलिवेटेड ट्रैक में इसका प्रावधान किया है। एयरपोर्ट की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए गाजियाबाद वाया ग्रेटर नोएडा वेस्ट, परीचौक, यीडा सिटी के लिए रैपिड रेल परियोजना की डीपीआर तैयार हो चुकी है। इस रूट पर 22 स्टेशन बनाए जाएंगे और आबादी की जरूरत को देखते हुए 13 स्टेशन तक भविष्य में बढ़ाए जा सकेंगे। इसी कॉरिडोर पर ग्रेनो वेस्ट के चार मूर्ति पर इंटीग्रेटेड स्टेशन का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। यहीं पर एक्वा लाइन मेट्रो फेज-2 का 10 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर भी मिलता, जो नॉलेज पार्क-5 तक प्रस्तावित है। अब एक्वा लाइन मेट्रो का विस्तार सिर्फ सेक्टर-51 से चार मूर्ति तक ही होगा। इससे आगे का 10 किलोमीटर लंबे ट्रैक अलग से कॉरिडोर बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक्वा लाइन और रेपिड रेल के ट्रैक को चार मूर्ति चौक पर समायोजित किया जाएगा।

02 हजार करोड़ रुपये की बचत होगी इस व्यवस्था से

यात्रियों का समय और धन बचेगा

ग्रेनो वेस्ट का चार मूर्ति गोलचक्कर नमो भारत और एक्वा मेट्रो के यात्रियों को एक दूसरे के ट्रैक से कनेक्ट करने के लिए जंक्शन बनेगा। गोलचक्कर पर बनने वाला स्टेशन बड़ा होगा और यहां से यात्री नोएडा, दिल्ली, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, जेवर चारों तरफ आना-जाना कर सकेंगे। वहीं, एक्वा मेट्रो में सफर करने वाले यात्री को भी जेवर तक सीधी कनेक्टिविटी मिल सकेगी। उन्हें बार-बार ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे उनके समय और धन दोनों की बचत होगी।